

संरक्षति वशेष कृषि क्षेत्र

प्रीलमिस के लिये:

संरक्षति वशेष कृषि क्षेत्र

मेन्स के लिये:

PSAZ से कृषि को लाभ

चर्चा में क्यों?

तमलिनाडु के मुख्यमंत्री ने 9 फरवरी 2020 को घोषणा की है कि कावेरी डेल्टा क्षेत्र को संरक्षति वशेष कृषि क्षेत्र (Protected Special Agriculture Zone-PSAZ) के रूप में घोषित किया जाएगा।

मुख्य बदि:

- राज्य सरकार के अनुसार, कावेरी नदी के डेल्टा क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण जैसी परियोजनाओं के लिये मंजूरी प्रदान नहीं की जाएगी।
- राज्य सरकार के अनुसार केंद्र सरकार यहाँ कोई भी परियोजना शुरू कर सकती है परंतु राज्य सरकार के अनुमतिपत्र के बिना उसे लागू नहीं किया जा सकेगा।

क्या है संरक्षति वशेष कृषि क्षेत्र?

- किसी क्षेत्र को संरक्षति कृषि क्षेत्र घोषित करने से इस क्षेत्र को ऐसी गतिविधियों तथा परियोजनाओं से सुरक्षा मिलती है जो किसानों के लिये शोषणकारी होती हैं।
- इस क्षेत्र में खेती के साथ-साथ कृषि आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाता है।

PSAZ के रूप में घोषित क्षेत्र:

- डेल्टाई क्षेत्रों की रक्षा और किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिये कावेरी डेल्टाई क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिलों जैसे- तंजावुर, त्रिवूर, नागपट्टनिम, पुदुकोट्टई, कुड्डलोर, अरयिलुर और त्रिची के डेल्टाई क्षेत्रों को PSAZ के तौर पर शामिल किया जाएगा।

PSAZ घोषित करने की आवश्यकता क्यों?

- कावेरी डेल्टा क्षेत्र तमलिनाडु में एक महत्वपूर्ण कृषि क्षेत्र है जहाँ किसान विभिन्न जलवायु चुनौतियों के बावजूद कृषि कर रहे हैं।
- यहाँ हाइड्रोकार्बन अन्वेषण जैसी परियोजनाओं ने किसानों और अन्य कृषि पर आधारित मजदूरों के बीच चिंता पैदा की है, चूँकि यह डेल्टाई क्षेत्र समुद्र के भी काफी करीब है इसलिये इस क्षेत्र को सुरक्षित रखने की आवश्यकता है।
- यह सुनिश्चित करने के लिये कि तंजावुर, त्रिवूर, नागपट्टनिम, पुदुकोट्टई, कुड्डलोर, अरयिलुर, करूर और त्रिचिरापल्ली जिलों में कृषि प्रभावित न हो, इन कावेरी डेल्टाई क्षेत्रों को एक संरक्षित वशेष कृषि क्षेत्र में परिवर्तित किया जाएगा।

PSAZ घोषित करने के लाभ:

- तमलिनाडु सरकार द्वारा कावेरी नदी के डेल्टाई क्षेत्रों को PSAZ घोषित करने से राज्य की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी।
- PSAZ का विचार खाद्य और पारिस्थितिक सुरक्षा के भविष्य को सुनिश्चित करने के लिये महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे खाद्य उत्पादकता में वृद्धि होगी।

- पेट्रोकेमिकल और हाइड्रोकार्बन से संबंधित उद्योग, जो पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं, पर रोक लगाए जाने से पर्यावरण की सुरक्षा होगी।

आगे की राह:

- वित्त कई वर्षों में कृषि केंद्र तथा राज्य सरकारों की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक प्राथमिकता के रूप में उभरी है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कृषि उत्पादकता तथा लाखों किसानों को देश को भोजन प्रदान करने के लिये कार्य करते हैं, के जीवन स्तर को सुधारने के लिये विभिन्न योजनाएँ शुरू की गई हैं।
- तमिलनाडु सरकार द्वारा कावेरी नदी के डेल्टा क्षेत्र को PSAZ क्षेत्र घोषित किये जाने संबंधी घोषणा को अन्य राज्यों द्वारा भी गंभीरता से लिया जाना चाहिये तथा देश में विभिन्न उपजाऊ डेल्टा क्षेत्र को PSAZ घोषित किया जाना चाहिये।

स्रोत- द हट्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/protected-special-agriculture-zone>

